Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Brief Report

Brief Report of Project / Field/ Internship Work (1.3.3)

Name of the Project Undertaken	" Rajiya Rekhachitr ki report "	
Academic Session	2023-24	
Organizing Department/ Committee	Hindi	
Total Number of Students Participated in the Project	15	
Brief Report	The Project entitled - " Rajiya Rekhachitr Ki report" undertaken by the Department of Hindi during the session of 2023-24 under the guidance of Internal Quality Assurance Cell of the Institution. Total 10 students participated in the project activity and successfully completed the project. The completion certificate has been given to the students. All students found it very interesting to learn through the experiential learning. They enjoyed the project work.	
Criterion :1	Metric no-1.3.3	
Signature of Co-Ordinator P. Dabli Dr.Yugeshari Dabli	Signature & Stamp of IQAC Co-Ordinator IQAC Coordinator Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka, Nagpur	Signature of & Stamp of Principal Principal Dayanand Arya Kanya Mahavidyalaya Jaripatka, Nagpur

Ph.: Off.: 2633233/2955977
aryawani.ngp@gmail.com

॥ ओ३म्।।

दयानन्द आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य विद्या सभा द्वारा संचालित
(Regd. under Societies Act. XXI)
जरीपटका, नागपुर ४४००१४.

Students Information

S.N.	Name of Student	Program	Class
01.	Santoshi Shukla	B. A	I year
02.	Afreen firdos mustak sheikh	B. A	I year
03.	Bhavana shivshankar shuklu	B. A	I year
O4.	Bhavana pandurang nehare	B. A	I year
05.	Bhumika sanjay pathak	B. A	I year
06.	Durga arun parate	B. A	I year
07.	Ekta sharad sayam	B. A	I year
08.	Ikra dayam mohammad alkama	B. A	I year
09.	Kajal ashok jar	B. A	I year
10.	Kasak surjan khobragade	B. A	I year
11.	Nandini nilkanth ninave	B. A	I year
12.	Neha yadav	B. A	I year
13.	NIKITA BHANSINGH PATVA	B. A	I year
14.	PRANALI ASHOK KALBANDE	B. A	I year
15.	PRACHI JAGDISH PATEL	B. A	I year

Front Page of Project

ARYA VIDYA SABHA'S

DAYANAND ARYA KANYA MAHAVIDYALAYA

Jaripatka, Nagpur.

'Hindi project'

Organised By

Department of project

CERTIFICATE

This is to certify that project work in the subject Hindi entitles Hindi : "Rajiya " Rekhachitr ki reporthsa been successfully completed by ku. Santoshi Shukla of B.A I Year during the Academic session 2023 - 24 Hence the certificate is awarded to her.

P. Dabli

Co-Ordinator
Dr. – Yugeshari Dabli
Dept. of Hindi

Principal
Dr. Chetna Pathak
DAKM, Nagpur

Project Copy

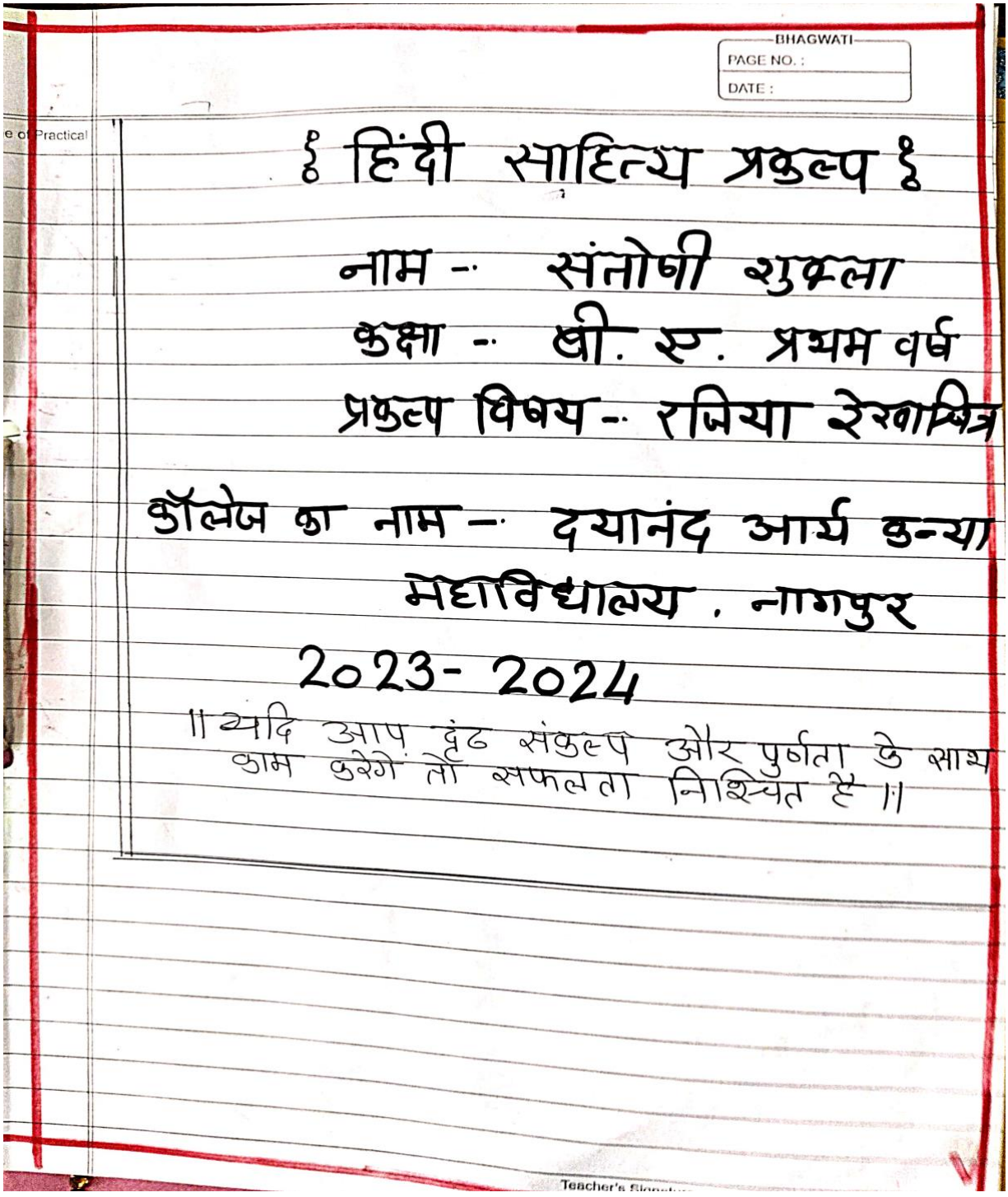

BHAGWATI
PAGE NO. :
DATE :

Practical

§ हिंदी साहित्य प्रकल्प §

नाम - संतोषी शुक्ला

कक्षा - बी. ए. प्रथम वर्ष

प्रकल्प विषय - रजिया रेखाचित्र

कॉलेज का नाम - दयानंद आर्य कन्या महाविद्यालय, नागपुर

2023- 2024

॥ यदि आप दृढ संकल्प और पुर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता निश्चित है ॥

Teacher's Signature

रामवृक्ष बेनीपुरी

BHAGWATI
PAGE NO. :
DATE :

Practical

अनुक्रमणिका

अ० क्र०	घटक के नाम	पृष्ठ क्र०
1	विषय का चुनाव	1
2	प्रस्तावना	2
3	महत्व / उद्देश्य	3
4	रसिया रेखाचित्र (चारित्रिक विशेषताऐं)	4, 5
5	निष्कर्ष	6

Teacher's Signature .....

Practical

विषय का चुनाव :-

हिन्दी साहित्य प्रकल्प मे मैंने 'रजिया' रेखाचित्र का चयन किया है। यह बहुत ही सुंदर रचना है जिसके रचनाकार महान साहित्यकार रामवृक्ष बेनुपुरी जी है। इस रेखाचित्र मे रजिया नाम की लडकी जो एक चुडिहारिन की लडकी थी जो अपनी माँ के साथ चुडि पहनाने लेखक के गॉव मे प्रत्येक घर मे जाया करती। मुजे इस रेखाचित्र को पढना व सुनना काफी अच्छा लगता है। लेखक रजिया को बचपन से देखते आए थे उसके चेहरे मे अजीब किस्म का आकर्षण था। जिसके परिणाम स्वरूप लेखक व रजिया के बीच अलगपन सा रिश्ता बन गया था उसी अनुभवों को चित्रित करते वक्त लेखक ने रजिया के व्यक्तित्व का सुंदर चित्रण प्रस्तुत करते हुए चुडिहारिनी की समस्याओं को चित्रित किया है। इस रेखाचित्र मे भाषा-शैली का प्रयोग अल्पविराम, पूर्णविराम व भावाओ का सुंदर समन्वय तथा ज्ञानवर्धक बाते भी दर्शाई गई है इस रेखाचित्र का अध्ययन रोचक पूर्ण है। यह 'रजिया' रेखाचित्र लेखक की लक्ष्यपूर्ण रचना है। जो अध्ययन के योग्य है

1.

प्रस्तावना :-

'रजिया' रामवृक्ष बेनीपुरी लिखित रेखाचित्र है। वह लेखक के गाँव की चुड़िहारिनी है। लेखक उसे बचपन से देखते आरहे हैं। रजिया हमेशा कानो मे चांदी की बालिया, गले मे चाँदी का हैकल (नेकलेस) हाथो मे चाँदी के कंगन और पैरो मे चाँदी की गोड़ाई (घुंघरू वाली पायल) पहनती थी चुन्टेदार कमीज पर काली साडी पहनी रहती थी। गोरे चेहरे पर काले बाल हमेशा लटकते रहते थे उसका साज - श्रृंगार लेखक को आकर्षित करता था अतः वह बचपन मे कभी-कभी उसका पिछा तक करते थे। तब रजिया की माँ उनसे कहती (मजाक मे) बाबुआजी रजिया से ब्याह किजिएगा। रजिया के आकर्षक रूपरेखा के कारण ही रजिया के साथ लेखक का एक अलग इंसानियत का रिश्ता जुड़ा हुआ था।

रजिया को लेखक ने पहली बार उसके माँ के साथ देखा था। उसकी अलग रूप-रेखा के कारण लेखक को उसने खींच लिया था वैसे तो लेखक के गाँव मे लड़कियो की कमी नही थी, पर सब मे उन्हे रजिया अलग लगी मूलतः लेखक अपने घर से बाहर अधिक नही निकलते थे। माँ न होने के कारण मौसी ने उनका पालन पोषण किया था। एक बार वो मेले मे गुम हो गये थे। इसलिये घर के लोग उन्हे अधिक बाहर नही जाने देते थे। जब लेखक ने उन्हे पहली बार देखा तब वो अपनी माँ के साथ चुड़ियाँ पहनाने उनके आँगन मे आई थी।

उद्देश्य :- श्री रामवृक्ष बेनीपुरी जी द्वारा रचित यह 'रजिया' नामक रेखाचित्र माटी की मूरतें नामक संग्रह से लिया गया है इस रेखाचित्र मे लेखक ने अपने आस-पास के समाज से संबंधित मुस्लिम चुड़िहारिन की समस्या का चित्रण किया है इस रेखाचित्र के जरिए लेखक ने मुस्लिम रंगी जाति की व्यथा को चित्रित किया है। इसमे लेखक ने रजिया के व्यक्तित्व का चित्रण किया है। चुड़िहारिनी समस्याओ का समावेश भी भलिप्रकार से हुआ है। रजिया के सुंदरता का चित्रण वह बचपन मे कैसी थी, तथा जवानी मे इस रजिया के व्यक्तित्व मे परिवर्तन को भली प्रकार से दर्शाया गया है। जैसे वो बचपन मे लेखक के साथ बातें करने मे शर्माती भी लेकिन बड़ी होने के बाद बेझिझक लेखक के साथ बाते करने लगी थी। रजिया ने हसन के साथ प्रेम विवाह किया था वह रजिया से बहुत प्यार करता व उसके साथ साये की तरह साथ रहता था। ऐसे ही मालिक अपनी रानी के साथ रहे, वह कहती थी (मालिक वह लेखक को कहती) परंतु रजिया को अपने जीवन मे बहुत संघर्ष करना पड़ रहा था कारण बदलते समाज मे रजिया जैसे खानदानी पेशेवाली को बड़ी दिक्कत हो रही है। कारण यह व्यवसाय हिन्दु भी कर रहे है इसलिए आज अनेक ऐसे गाँव है, जहा हिन्दु मुसलमानो के हाथ से सौदा नही करते।

Teacher's Signature .....

* रजिया का चरित्र-चित्रण :-

रजिया रेखाचित्र मे लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी एक मुस्लिम चुडीहारिन रजिया का उल्लेख करते है। जो अपने माँ के साथ चुडियाँ बेचती है। और वह इतनी सुंदर है की लेखक की नजर उससे हट नही रही धीरे-धीरे लेखक और रजिया की आँखे मिलने लगती है। और समय के साथ लेखक आगे पढाई के लिए शहर चले जाते है। और उनका गाँव आना कभी-कभार ही होता है।

अब रजिया से मिलना और दुर्लभ हो गया लेकिन इस बार वे जब गाँव आये तो रजिया की पोती उन्हे बुलाने आती है। रजिया बीमार है वो शायद उनकी आखिरी मुलाकात है।

1) बाल सुलभ उत्सुकता से पुरित सुंदर लड़की :-

लेखक स्कूल से आकर उस दिन अपने घर झुला झुल रहे थे। जब रजिया उनके घर अपनी माँ के साथ चुडियों का बाजार लेकर बैठी थी और वह अपनी माँ के पास से खडी होकर धीरे-धीरे मेरे झुले के सामने आकर खडी हो गई वह इतनी सुंदर थी की लेखक की नजर उससे हट ही नही पा रही थी।

2) चुडियाँ पहनाने की कला मे निपुण :- धीरे-धीरे रजिया बडी हो गई और वह अपनी माँ के साथ चुडियाँ बेचने की कला मे और चुडिया पहनाने की कला मे निपुण हो गई उसके हाथ इतने मुलायम

थी कि नई चुडियां तो रजिया के हाथ से पहनेगी रजिया तब तक चुडियाँ पहन आती तब पहनेगें। रजिया जब तक चुडियां पहनाती तब तक उसकी माँ नई-नई खरीददारो को फंसा कर लाती।

3) बातूनी और आकर्षक व्यक्तित्व :~ जब भी लेखक रजिया से मिलता तो वह उनसे अटपटे सवाल करती और उनसे उत्तर की लालसा भी नही रखती, लेखक उनको देखकर वशीभूत हो जाते लेकिन जब वह जवान हुई तो उसके स्वभाव मे फर्क आया और वह कम बात करने लगी उसके गालो पर लालिमा छा गई। रजिया जब चुडियां पहनाती तो ना जाने कितने नौजवान उसको देखने आते और तो और उसका पति भी दूर खडा खडा उसे देखता रहता था।

4) समय की पारखी और जिज्ञासु : रजिया स्वभाव से बहुत जिज्ञासु थी वह बार-बार लेखक से मिलती रहती जब लेखक गाँव गया तो एक बच्ची के माध्यम से उनके डेरे के बारे मे पूछती है। और सुबह पति के साथ उनके डेरे पर पहुच जाती है। और सब सुनाओ के चक्कर मे लिखो गाँव आया तो वह अपनी पोती को भेज कर जिज्ञासा व्यक्त करती है।

5) अपने चुडियों के पेशे मे निपुण : रजिया की माँ एक सफल चुडिहारिन थी इसलिये वह भी अपनी माँ की तरह निपुण चुडिहारिन बन गई वह नई-नई फैशन की चुडियाँ लाकर नई-नई बहुओ को अपनी और आकर्षित करती और उनके पति से पैसे निकलवाने मे भी वह निपुण थी।

Teacher's Signature ....

Name of Practical

निष्कर्ष : इस रेखाचित्र मे आये उतार-चढाव के बावजूद भी रजिया जमाने के साथ चलना सिखती है वह फेशनेबल चुड़ियां खरीदने के लिए पटना जाती है। जहा लेखक किसी अखबार मे काम करते है। रजिया उन्हे मिलने जाती है। तब लेखक थोडा हिचकिचाते है। परंतु रजिया उसी हंसी-मजाक के साथ लेखक से बात करती है। उनकी पत्नी के लिए चुडियाँ देती है। हसन और रजिया साथ मे लेखक से मिलने जाते है। यहां पत्नी और पति के गहरे प्रेम को लेखक ने दर्शाया है।

आगे जब लेखक नेता बन कर गॉव पहुँचते है तब उन्हे रजिया की याद आती है। इतने मे बिल्कुल रजिया की तरह दिखने वाली लडकी (छोटी) वहा आती है। कुछ पल के लिए लेखक को लगा जैसे रजिया ही आयी है। जो रजिया की पोती है। और मालिक को अपने साथ चलने को कहती है। और लेखक उसके घर पहुँच जाते है उन्हे देखकर रजिया कपडे बदलकर आँगन मे आती है। उसका चेहरा मालिक को देखकर बल्ब की तरह चमकता है। चेहरे की झुर्रिया गायब हो जाती है उसे यकीन नही हो रहा था कि मालिक उसके घर उससे मिलने आये है। रजिया की खुशी देखकर लग रहा था मानो वो मालिक से मिलने की चाह मे अभी तक जिंदा हो इस प्रकार प्रस्तुत रेखाचित्र मे 'रजिया' स्त्री के जीवन को बडा ही संघर्षमय बताया गया है। और यह मुलाकात रजिया और लेखक की आखिरी मुलाकात हो।

Teacher's Signature 14/10/20